

स्वदेश

नई शिक्षा नीति से रचनात्मक सोच को बढ़ावा मिलेगा

» प्रभारी प्राचार्य डॉ. कल्पना झा ने वेबीनार को किया संबोधित

स्वदेश संवाददाता, भोपाल



शासकीय कला एवं वाणिज्य नवीन महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. कल्पना झा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्य रूप में परिणित से छात्रों में रचनात्मक सोच एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा तथा शिक्षकों की विशेषज्ञता का उपयोग करना संभव होगा जिससे सभी छात्र लाभान्वित होंगे। महाविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में छात्रों के लिए नया क्या है विषय पर वेबीनार आयोजित की गई है। वेबीनार का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. कल्पना झा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. स्वाति पाठक ने बताया कि नई शिक्षा नीति में रोजगारपरक व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए प्रथम वर्ष से ही इंटर्नशिप का प्रावधान है। इससे छात्रों के लिए नवीन रोजगार का सृजन होगा एवं व्यवसायिक योग्यता का विकास होगा। वेबीनार के मुख्य वक्ता डॉ. मनीष शर्मा ने नई शिक्षा नीति को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए नीति के माध्यम से उच्च शिक्षा के संभावित बदलाव एवं क्रियान्वयन के दौरान आने वाली समस्याओं पर चर्चा की। डॉ. मनीष शर्मा ने शिक्षाविदों एवं छात्रों को बताया कि नई शिक्षा नीति में ओपन बेस्ट क्रेडिट सिस्टम, विद्यार्थी केंद्रित अकादमिक लचीलापन, बहु प्रविष्टि एवं बहु निकास की उपलब्धता रोजगारपरक व्यवसायिक पाठ्यक्रम व्यवहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने हेतु प्रथम वर्ष से ही इंटर्नशिप का प्रावधान, क्रेडिट हस्तांतरण की सुविधा, कला एवं विज्ञान शारीरिक शिक्षा और अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों को बढ़ावा देने के कारण यह नीति छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगी।

Bhopal Main-Edition Edition
Sep 27, 2021 Page No. 5
Powered by eRelease.com

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय कला एवं वाणिज्य(नवीन) महाविद्यालय
पुलिस मुख्यालय के पीछे, मालवीय छात्रावास भवन, भोपाल

प्रतिवेदन

शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय, भोपाल में दिनांक 25.09.2021 को " राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में छात्रों के लिए नया क्या है" । विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई ।

कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. कल्पना झा द्वारा किया गया । इस अवसर पर अपने उद्‌बोधन में उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्य रूप में परिणिति से छात्रों में रचनात्मक सोच एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा तथा शिक्षकों की विशेषज्ञता का उपयोग करना संभव होगा जिससे सभी छात्र लाभांवित होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. स्वाति पाठक ने बताया कि नई शिक्षा नीति में रोजगारपरक व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए प्रथम वर्ष से ही इन्टर्नशिप का प्रावधान है इससे छात्रों के लिए नवीन रोजगार का सृजन होगा एवं व्यवसायिक योग्यता का विकास होगा ।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. मनीष शर्मा ने नई शिक्षा नीति की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुये नीति के माध्यम से उच्च शिक्षा के सम्भावित बदलाव एवं कियान्वयन के दौरान आने वाली समस्याओं पर चर्चा की –

डॉ. मनीष शर्मा ने शिक्षाविदों एवं छात्रों को बताया कि नई शिक्षा नीति में च्वाईस बेस्ड केडिट सिस्टम, विद्यार्थी केन्द्रित अकादमिक लचीलापन बहुप्रविष्टि एवं बहुनिकास की उपलब्धता रोजगारपरक व्यवसायिक पाठ्यक्रम व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने हेतु प्रथम वर्ष से ही इन्टर्नशिप का प्रावधान, केडिट हस्तांतरण की सुविधा, कला एवं विज्ञान शारीरिक शिक्षा और अन्य पाठ्यर्येत्तर गतिविधियों को बढ़ावा देने के कारण यह नीति छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगी ।

साथ ही उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के व्यवहारिक कियान्वयन में हमारे समक्ष अनेक चुनौतियां उपस्थित है जैसे – मध्यप्रदेश जैसे राज्य में भौगोलिक, आंचलिक, समाजिक, सांस्कृतिक विविधताओं का होना इस शिक्षा नीति के कियान्वयन में एक चुनौती है । साथ ही महाविद्यालयों में मानवीय एवं भौतिक संसाधनों की कमी है जिसका समाधान शिक्षाविदों एवं अकादमिक प्रशासकों को ढूंढना होगा ।

कार्यक्रम के अतिथि वक्ता डॉ. राममिलन सिंह ने कार्यशाला में चर्चा करते हुये बताया कि नई शिक्षा नीति में छात्रों के व्यापक हितों को ध्यान में रखा गया है । साथ ही, उन्होंने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए इस नीति के विषय–वस्तु एवं सिलेवस डिजाईन के प्रमुख बिन्दुओं को विस्तार से बताया ।

प्रभारी

प्रभारी प्राचार्य